प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

फाउन्डेशन पत्र – तृतीय

विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श

इकाई 1 : विद्यालय प्रबंध की अवधारणा, आवश्यकता, अर्थ उद्देश्य एवं सिद्वांत

- प्राथमिक शिक्षा का प्रबन्धन, वित्त एवं योजना
- विद्यालय भवन के संसाधन, भवन का स्वरूप, स्थल चयन वर्गकक्ष, छात्रावास, क्रीड़ास्थल की आवश्यक उपस्कर साज–सज्जा एवं उपकरणों की व्यवस्था।
- मानव संसाधन का संगठन।
- आवश्यकताओं की पूर्ति में जन सहयोग।

इकाई 2 : विद्यालय प्रबन्धन

- प्राथमिक शिक्षा के संदर्भ में झारखण्ड शिक्षा सेवा नियमावली, सेवाशर्त्त, वेतनमान, प्रोन्नति, सेवानिवृति।
- प्रधानाध्यापक के गुण अधिकार एवं कर्त्तव्य।
- प्रमुख अभिलेखों की जानकारी, रखरखाव एवं संधारण।
- विद्यालय समय–सारणी, पुस्तकालय का महत्त्व।

इकाई 3 : सुविधा वंचित वर्ग की शिक्षा

- अनुसूचित जनजाति की शिक्षा, स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- अनुसूचित जाति की शिक्षा, स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- पिछड़े वर्ग की शिक्षा – स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी, प्रयास।
- बालिका शिक्षा – स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी, प्रयास।
- विकलांगों की शिक्षा – स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।

इकाई 4 : निर्देशन एवं परामर्श

- निर्देशन एवं परामर्श का परिचय, परिभाषा एवं आवश्यकता।
- निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र, उपयोगिता, महत्त्व।
- बच्चों को समस्या की पहचान एवं उनके निदान, शिक्षक एवं अभिभावक की भूमिका।
- निर्देशन एवं परामर्श के तकनीक एवं उपकरण।

इकाई 5 : शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षण

- सफल/आदर्श शिक्षक के गुण।
- वर्ग कक्षा, विद्यालय एंव समुदाय में शिक्षक की भूमिका।
- सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन में शिक्षण्क की भूमिका।
- शिक्षक प्रशिक्षण–सेवा पूर्व, सेवाकालीन, मुक्त–प्रशिक्षण।

इकाई 6 : एजेन्सीज और प्रोग्राम

- यूनिसेफ, एन.सी.ई.आर.टी., एन सी. टी. ई., एस. सी.ई.आर.टी., डायट, बी.आर.सी., सी. आर. सी. आई., सी. डी. एस., आँगनबाड़ी, मध्याह्न भोजन, साईकिल वितरण, पुस्तक वितरण योजना
- सेतु पाठ्यक्रम, पूर्व बालपन शिक्षा।
- सर्वशिक्षा अभियान का परिचय, उद्देश्य एवं क्रियान्वयन का स्वरूप।
- पंचायती राज एवं शिक्षा।

फाउन्डेशन पत्र – चतुर्थ

शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन

इकाई 1 : अर्थ, महत्त्व, उपयोगिता एवं विशेषताएँ

- नयी शिक्षा व्यवस्था में इसकी भूमिका।
- हार्डवेयर और साफ्टवेयर में अन्तर।
- जनसंचार माध्यम और शिक्षा में उनकी उपयोगिता।
- कम्प्यूटर की शैक्षिक उपयोगिता, इमेल, इन्टरनेट, लैपटॉप, फैक्स, स्थिर और गतिमान प्रोजेक्ट ऑडियो–विडियों रेकॉर्डिंग, इन्स्टुमेंट।
- टेलीकान्फ्रेसिंस माईक्रोटीचिंग एवं उसकी तकनीक।

इकाई 2 : पाठ्यक्रम का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, पाठयक्रम एवं सिलेबस में अन्तर

- पाठ्यक्रम के अवयव – उद्देश्य निर्धारण, विषय–वस्तु का चयन, विषय–वस्तु का संगठन।
- पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धांत।
- अनिवार्य पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, फ्रेम वर्क, न्यूनतम अधिगम स्तर।
- अधिगम में निपुणता।

इकाई 3 : मापन एवं मूल्यांकन

- मापन, मूल्यांकन एवं परीक्षण का अर्थ, विशेषताएँ तथा अन्तर।
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा।
- दक्षता आधारिता मूल्यांकन।
- परीक्षा के प्रकार–निबंधात्मक, लघूत्तरीय, वस्तुनिष्ठ, इकाई परीक्षण, उपलब्धि जाँच।
- संबंधित जाँच के अभिलेख का संधारण।

इकाई 4 : पाठ योजना

- पाठ योजना का अर्थ एवं प्रकार।
- पाठ योजना बनाने के सोपान।
- इकाई योजना।
- शिक्षण उपादान।

इकाई 5 : सांख्यिकी एवं आँकड़ा

- साख्यिकी का आर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व।
- आँकड़ा का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार।
- बारंबारता, संचयी बारंबारता, मध्य बिन्दु (वर्ग चिह्न) का परिचय, बारंबारता सारणी तैयारी करना।
- संचयी बारंबारता ज्ञान करने की विधि।

इकाई 6 : माध्य, माध्यिका एवं बहुलक का परिचय एवं परिभाषा

- माध्य, माध्यिका एवं बहुलक ज्ञात करने की विधि।
- दण्ड चार्ट, आयत चित्र, बारंबारता बहुभुज, चित्रालेख एवं वृतत चार्ट तैयार करना।

पंचम पत्र

हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु–सह–शिक्षण विधि

इकाई 1 : भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन एवं परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल विकास का
- भाषा कौशल विकास की सहगामी क्रियाएँ।

इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- संधि, समाज, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, मुहावरा।

इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, स्वराघात, बलाघात, चित्रवर्णन, प्रतिकृति आकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखा, चित्र, रेडियों, दूरदर्शन, नाटक चलचित्र, टेपरिकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र–पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।
- पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग प्रणाली।

इकाई 5 : हिन्दी भाषा एवं साहित्य

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास की समस्याएँ।
- कला–संस्कृति विकास में हिन्दी साहित्य का योगदान।
- प्राथमिक शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्त्व।
- मातृभाषा के माध्यम से हिन्दी शिक्षण।

क्रिया–कलाप

- भाषाए एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- अंत्याक्षरी एवं अभिनव में भाग लेना।
- पाठ्यपुस्तक से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन।
- कविता एवं कहानी लेखन।
- शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक–एक आडियो कैसेट तैयार करना।

नोट : सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

Sixth Paper

English Teaching : Content Cum Methodology

UNIT 1 : Usage

(a) Verbs - Finites and non-finites - Auxiliary Verbal - Anomalous finites
(b) Time and Tense - Study of English Tense
(c) Use of Adjectives, Nouns, Pronouns, Articles, Prepositions, Conjections, Infinitives and gerunds.
(d) Sentences - Kinds, Conversions, Synthesis,
(e) Reported Speech
(f) The Passive Construction
(g) Punctuation
(h) Question form, Question tags
(i) Syntax

UNIT 2 : Spoken English :

(a) A brief introduction to the Speech sounds of English Vowels, Consonants and dipthongs to Phonetic symbols and transcription in international phonetic scripts to enable the pupil teacher to use a pronouncing dictionary.
(b) Words Stress and Sentence stress
(c) Strong and Weak forms
(d) Phythm and intonation

UNIT 3 : Written English :

(a) Pattern & letter
(b) Connected Writing

(c) Systematic Writing
(d) Writing Stories from incomplete outline.
(e) Writing a Paragraph or an essay on any given topic
(f) Letter Writing

UNIT 4 : Comprehension :

The text shall contain prose, poetry, rhymes from the text book used in Class 5th to 8th

Personal Project

(1) Identifying language errors in listening, Speaking, reading and Writting
(2) Deliver a speech
(3) Write an essay
(4) Participate in a debate
(5) Write a Story
(6) Write a Peom
(7) Show sufficient Proficiency in Conversation
(8) Read a difficult passage without mistakes

Note : All trainees will take part in an analytical study of text books of class one to eight.

सप्तम पत्र

संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : संस्कृत साहित्य का इतिहास

- रामायण, महाभारत, पुराण, पंचतंत्र, हितोपदेश, कालिदास, विशाखादत्त, वाणभट्ट, पाणिनी के संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई 2 : संस्कृत गद्य–पद्य शिक्षण

- संस्कृत गद्य शिक्षण का महत्त्व एवं विधि जैसे – कहानी विधि, अभिनव विधि, संवाद विधि, प्रश्नोत्तर।
- संस्कृत पद्य शिक्षण का महत्त्व एवं विधि जैसे – सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्याता विधि, अर्थबोध।

इकाई 3 : अनुवाद

- मातृभाषा का संस्कृत में अनुवाद, संस्कृत वाक्यों का मातृभाषा में अनुवाद।
- अनुवाद का भाषागत एवं व्यवहारिक महत्त्व एवं उपयोग।
- संस्कृत शिक्षण प्रारंभ करने का छात्रों का स्तर, व्याकरण से इसका संबंध।

इकाई 4 : व्याकरण

- व्याकरण अध्ययन की प्रत्यक्ष एवं परोक्ष विधि तथा इसकी विशेषताएँ।
- संधि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, लिंग निर्णय।
- शब्द रूप – अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त।
- धातु रूप – भू, पच्, दा श्रु।

ইকাই 5 : রচনা

- অনুচ্ছেদ লেখন, কথা লেখন, পদ্য লেখন।
- রিক্ত স্থান পূর্তি, শব্দ এবং বাক্য মিলান, বাক্য রচনা।

ইকাই 6 : संस्कृत शिक्षण विधि

- অনুবাদ বিধি।
- চিত্র বর্ণন বিধি।
- সুনো और বোলো বিধি।
- কথা কথন বিধি।

ক্রিয়াকলাপ :

- संस्कृत কবিতা রচনা में ভাগ লেনা।
- संस्कृत সংভাষণ में ভাগ লেনা।
- বর্গ 1 সে 8 তক কা পাঠ্যপুস্তকোং মেং সে 10–10 সূক্তিয়াঁ চুনকর লিখনা তথা উনকা অর্থ ভী লিখনা।
- দস সুভাষিতোং কো কংঠস্থ কর উনকা অর্থ বতানা।
- 10 কহানী অথবা কবিতা কে লেখন কা নাম এবং উনকী রচনা কা শীর্ষক কা চার্ট তৈয়ার করনা।
- संस्कृत পাঠ যোজনা তৈয়ার করনা।
- संस्कृत শিক্ষণ সে সংবংধিত উপাদান তৈয়ার করনা।

নোট : সভী প্রশিক্ষণার্থী কক্ষা 01 সে 08 তক কী পাঠ্যপুস্তকা কা বিশ্লেষণাত্মক অধ্যয়ন করেংগে।

দ্বিতীয় বর্ষ
সপ্তম পত্র

১) ভাষা কৌশল ও তার মৌলিক বিকাশ

ভাষার মৌলিক বিকাশ শ্রবণ - পরিচয় ও মহত্ব।
কথন - পরিচয়, কথনের ক্রমিক বিকাশ।
পঠন-পরিচয়, সরব ও নিরব পাঠ, দ্রুত পাঠ, বোধগম্য পাঠ, পঠনের বিধি, পঠনের দোষ ও নিবারণ
লেখন-পরিচয় - সুলেখ, মুদ্রাণানুগ লেখন, কুশলী লেখন, লেখনের বিভিন্ন দিক, সুলেখের বৈশিক লেখন কুশলতার উপায় ও প্রগতি।

২)ব্যাকরণ শিক্ষণ - পদ্ধতি ও কৌশল

ভাষা শিক্ষণে ব্যাকরণের উপযোগিতা।
ব্যাকরণ শিক্ষণ পদ্ধতি-অবরোহ ও আরোহ পদ্ধতি, প্রশ্নোত্তর পদ্ধতি, পারস্পরিক সহযোগ পরিভাষা বিধি, পাঠ্যপুস্তক।

৩)ভাষা শিক্ষণ - পদ্ধতি, কৌশল ও উপাদান

ভাষা শিক্ষণ কৌশল-বার্ত্তালাপ, প্রাশ্নোত্তর, আবৃতি, চিত্রবর্ণন, প্রতিকৃতি ও অনুকৃত-বর্ণন, বাদানুবাদ, ভাশা শিক্ষণ উপাদান-পাঠ্যপুস্তক, ব-্যাকবোর্ড, চিত্র, মানচিত্র, রেখাচিত্র, মৌলিক পুঁথি, রেডিও, টেপরের্কডার, কম্পুটার, চল চিত্র, টেলিভিজন, পত্র পত্রিকা, লোক কলা, এবং সহায়ক সামগ্রী

৪)ব্যাকরণ

সাধু ও চলতি ভাষার সাধারণ ধারণা।
সন্ধি, সমাস, প্রযোগ, উপবর্গ।
সমার্থক শব্দ, বিপরীতার্থক শব্দ, সমোচ্চারিত ভিন্নার্থক, শব্দ, একই শব্দের ভিন্নার্থক-প্রয়োগ, এক কথায় প্রকাশ, বাগ ধারা।
অশুদ্ধি জনিত দোষ সম্বন্ধে সাধারণ ধারণা।

৫)ভাষা শিক্ষণ পদ্ধতি-সম্যক ধারণা।

অনুকরণ, আবৃত্তি, সস্বর সরবপাঠ ও পুনঃপাঠ।
চিত্রবর্ণন, ভাষণকলা, আবেগাত্মক অভিব্যক্তি।
চিন্তন উদ্রেক কারী প্রশ্নোত্তর পদ্ধতি।

৬) ক্রিয়াকলাপ

আবৃতি প্রতিযোগিতা, ভাষণ প্রতিযোগিতা, বাদানুবাদ প্রতিযোগিতার আয়োজন ও সক্রিয় অংশগ্রহণ।
পাঠ্যপুস্তক সম্মলিত সাহিত্যকার ও কবিদের চিত্র সংকলন।
শুদ্ধ ও মান্য উচ্চারণ সম্মলিত আবৃত্তিকার ও নাট্যকর্মীর ক্যাসেট সংকলন।
লেখা প্রতিযোগিতার আয়োজন ও অংশগ্রহণ-সুলেখ, নিবন্ধ, স্বরচিত কবিতা, ভ্রমন কাহিনী।
অনুকরণাত্মক উচ্চারণ সম্মলিত ক্রিয়াকলাপ।
অভিনয় - নাট্যাংশের আঙ্গিক ও বচনিক অভিনয় - আয়োজন ও সক্রিয় অংশগ্রহণ।
প্রত্যেক প্রশিক্ষু ষষ্ঠ শ্রেণী হইতে অষ্ঠম শ্রেণী পর্য্যন্ত পাঠ্যপুস্তকের বিশে-ষণাত্মক অধ্যয়ণ করবে।

Mother Tongue (Urdu) Teaching Content & Methodology (For Second Year) VII Paper

دوسرے سال کا نصاب

اردو زبان کی تدریس : تدریسی موضوع معہ طریقہ تدریس

اکائی ۱۔ زبان میں مہارت کو فروغ

- ☆ سامعہ کا تعریف اور اندز سماعت کو فروغ اعر طریقہ کار
- ☆ مطالعہ کا تعارف اور مطالعہ میں مہارت کو فروغ اعر طریقہ
- ☆ تدریس کا تعارف تدریسی مہارت طریقہ، صحیح تلفّظ کے ساتھ پڑھنا۔
- ☆ طریقہ تحریر کی جانکاری اور تحریری مہارت کے فروغ کو اہمیت۔

اکائی ۲۔ درس قواعد

- ☆ تدریس قواعد کا تعارف اور اہمیت۔
- ☆ تدریس قواعد کا طریقہ، نصابی کتاب کا طریقہ امداد، باہمی طریقہ، فارمولا طریقہ۔

اکائی ۳۔ زبان کی تدریس تکنیک اور مقاصد۔

- ☆ تدریس زبان کی تکنیک۔ بات چیت، سوال جواب، مشق، تصریری وضاحت (عکس اور نقل)
- ☆ تدریس زبان کے مقاصد ۔

نصابی کتاب، تختہ سیاہ، تصویر، نقشہ، اسکیچ، ریڈیو، دوردرشن، ناٹک،

سنیما، ٹیپ ریکاڈر، کمپیوٹر، میگزین اور معاون کتابوں کی اہمیت۔

اکائی ۴ قواعد ۔

- ☆ مطابقت، مرکب الفاظ، محاورے، لاحقہ، سابقہ، ضد، ہم معنی الفاظ اور ہم صوت الفاظ۔

اکائی ۵ تدریس زبان کا طریقہ ۔

- ☆ دیکھ کر (نقل) کے ذریعہ، تصویر کے ذریعہ، سنو اور بولو ۔
- ☆ فارمولا کے طریقہ سے، اداکاری کا ذریعہ۔

کارکردگی۔

- ☆ تقریر اور مضمون نویسی کے مقابلے میں حصّہ لینا۔
- ☆ موضوع سے متعلق پروگرام میں حصّہ لینا۔
- ☆ سنو اور بولو کا مشق۔
- ☆ نصابی کتاب میں شامل ادبی شخصیات کی تصویروں کو اکٹھا کرنا
- ☆ بیت بازی اور اداکاری میں حصّہ لینا۔
- ☆ صحیح تلفّظ سے متعلّق ایک آڈیو کیسٹ تیّار کرنا۔

نوٹ۔ سبھی تربیت یافتگان درجہ اول تا ہشتم تک کے نصابی کتابوں کا تجزیاتی مطالعہ کرینگے۔

सप्तम पत्र (ग)

मुण्डारी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : मुण्डारी भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं गठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

इकाई 2 : मुण्डारी व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि–पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- समाज, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरा, विलोम शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, स्वराघात, बलाघात, चित्र, वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलती टेपरेकॉर्डर, पत्र–पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सुत्र विधि, अभिनय विधि।

इकाई 5 : अनुवाद

- परिचय एवं उपयोगिता
- मातृभाषा मुण्डारी का हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी का मातृभाषा मुण्डारी में अनुवाद।

इकाई 6 : मुण्डारी साहित्य एवं उसका विकास

- मुण्डारी साहित्य का परिचय।
- मुण्डारी साहित्य का विकास।
- कला–संस्कृति के विकास में मुण्डारी साहित्य का योगदान।
- मुण्डारी साहित्य की समस्या एवं समाधान।

क्रियाकलाप :

- भाषा एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- मेला, पर्व–त्यौहार, अखड़ा, संस्कृत, खेलकूद, नाच गान आदि में सहभागिता
- मुण्डारी भाषा से संबंधित साहित्यकारों के नामों का संकलन।
- मुण्डारी भाषा के बुझौवलों का संकलन।
- मुण्डारी के दस लोक गीतों का संकलन एवं गायन का अभ्यास।

नोट : सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तक का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (घ)

संताली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : संताली भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ।
- लेखन का परिचय एवं लेखन कौशल विकास की विधियाँ।

इकाई 2 : संताली भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- संताली भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, चित्र वर्णन, अभ्यास।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, मानचित्र, मानचित्र रेडियो, दूरदर्शन, चलचित्र कम्पयूटर पत्र–पत्रिका, पुस्तक एवं नाटक।

इकाई 3 : संताली व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, क्रिया, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे, कहावतें, विपरीतार्थक समानार्थक शब्द, सन्धि, समास।
- संताली भाषा विज्ञान–उच्चारण विज्ञान, शब्द विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अनुवाद विज्ञान।

इकाई 4 : संताली भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र लेखन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनव विधि।

इकाई 5 : संताली भाषा साहित्य एवं विकास

- लोक साहित्य – गाथा, कथा, कहानी, गीत, लोक सगीत, लोकवाद्ययंत्र।
- शिष्ट साहित्य–कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध।
- संताली साहित्य की समस्या एवं समाधान।
- झारखण्डी–कला संस्कृति विकास में संताली साहित्य का योगदान।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना।
- महाविद्यालय में सम्मेलन, विचारगोष्ठी एवं प्रतियोगिता का आयोजन करना।

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (ङ)

हो भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : हो भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्व।

इकाई 2 : हो व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि–पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सुत्र विधि।
- समाज, मुहावरा, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

इकाई 3 : हो भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर स्वराघात, बालघात, चित्र वर्णन, प्राकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, दूरदर्शन, नाटक, चल टपरेकॉर्डर, पत्र–पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

इकाई 4 : हो भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सुत्र विधि, अभिनय विधि।

इकाई 5 : अनुवाद

- परिचय एवं उपयोगिता।
- मातृभाषा हो का हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी का मातृभाषा हो में अनुवाद।

इकाई 6 : हो साहित्य एवं उसका विकास

- हो साहित्य का परिचय।
- हो साहित्य का विकास।
- कला–संस्कृति के विकास में हो साहित्य का योगदान।
- हो साहित्य की समस्या एवं समाधान।

क्रियाकलाप :

- भाषाए एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- मेला, पर्व–त्योहार,, अखड़ा, संस्कृत, खेलकूद, नाच गान आदि में सहभागिता
- हो भाषा से संबंधित साहित्यकारों के नामों का संकलन।
- हो भाषा के बुझौवलों का संकलन।
- हो के दस लोक गीतों का संकलन एवं गायन का अभ्यास।

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (च)

खड़िया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : खड़िया भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एंव श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

इकाई 2 : खड़िया व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि–पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- समाज, प्रत्यय, उपवर्ग, मुहावरा, विलोम शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

इकाई 3 : खड़िया भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, स्वराधात, बलघात, चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक चली टेपरेकॉर्डर, पत्र–पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्व।

इकाई 4 : खड़िया भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सुत्र विधि, अभिनय विधि।

इकाई 5 : अनुवाद

- परिचय एवं उपयोगिता।
- मातृभाषा खड़िया का हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी का मातृभाषा खड़िया में अनुवाद।

इकाई 6 : खड़िया साहित्य एवं उसका विकास

- खड़िया साहित्य का परिचय।
- खड़िया साहित्य का विकास।
- खड़िया साहित्य की समस्या एवं समाधान।
- कला–संस्कृति के विकास में खड़िया साहित्य का योगदान।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- मेला, पर्व–त्योहार, अखड़ा, संस्कार, खेलकूद नाच गान आदि में सहभागिता।
- खड़िया भाषा में संबंधित साहित्यकारों के नामों का संकलन।
- खड़िया भाषा के बुझौवलों का संकलन।
- खड़िया के दस लोक गीतों का संकलन एवं गायन का अभ्यास।

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (छ)

कुडुख भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : कुडुख भाषा कौशल का विकास

- कुडुख श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- कुडुख वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- कुडुख पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधिया, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- कुडुख लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का।

इकाई 2 : कुडुख व्याकरण शिक्षण

- कुडुख व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- कुडुख व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग प्रणाली, सूत्र विधि।
- लोकोक्ति, मुहावरा, बुझौवल, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक एवं निबंध।

इकाई 3 : कुडुख भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- कुडुख भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास (स्वराघात, बलाघात), चित्र वर्णन, प्रति अनुकृति, अनुवाद विधि।
- कुडुख भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, मानचित्र, रेडियो, दूरदर्शन चलचित्र, टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र–पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

इकाई 4 : कुडुख साहित्य शिक्षण विधि

- कुडुख साहित्य का परिचय एवं विशेषताएँ।
- कुडुख साहित्य का कला संस्कृति के विकास में योगदान।
- कुडुख साहित्य लेखन का समस्या और इसके विकास हेतु सुझाव।

इकाई 5 : कुडुख भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, अनुवाद विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अध्ययन।
- लोकगीत एवं लोकनृत्य में भाग लेना।
- पर्व त्योहार एवं संस्कारों में भाग लेना।
- लोकगीतों से संबंधित ऑडियों कैसेट तैयार करना।

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (ज)

नागपुरी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिखण विधि

इकाई 1 : भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- काल, समास, मुहावरा, उपसर्ग, प्रत्यय, विलोम शब्द, पर्यायवाची, शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, शब्दों के बदले एक शब्द आदि का परिचय।

इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास (स्वराधात, बलाघात), चित्र वर्णन, प्रतिकृत अनुकृति, अनुवाद विधि।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियों, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र–पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

इकाई 5 : नागपुरी साहित्य का परिचय

- नागपुरी साहित्य के विकास में सरकारी और गैर सरकारी प्रयास
- नागपुरी साहित्य के विकास की समस्याएँ और समाधान।
- झारखण्डी कला–संस्कृति के विकास में नागपुरी साहित्य का योगदान।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- पाठ्यपुस्तकों से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन करना।
- नृत्य–गीत प्रतियोगिता में एवं अभिनय आदि में भाग लेना।
- शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक–एक ऑडियो कैसेट तैयार करन।
- लोग गीतों का संकलन करना । (ऋतु, पर्व–त्योहार, संस्कार, श्रम एवं अन्य)
- लोक कथाओं का संकलन करना (सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, अलौकिक)।
- सांस्कृतिक मेला, खेल–कूद, शैक्षणिक यात्रा, विज्ञान–मेला, शहीद मेला, कृषि मेला आदि में भाग लेना, अवलोकन करना–कराना।

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (झ)

कुड़माली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : कुड़माली भाषा कौशल का विकास

- कुड़माली श्रवण (अनान) का परिचय एवं श्रवण (अनान) कौशल विकास की विधियाँ।
- कुड़माली वाचन (बचकान) का परिचय एवं वाचन (बचकान) कौशल विकास की विधियाँ।
- कुड़माली पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- कुड़माली लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन महत्त्व।

इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण

- कुड़माली व्याकरण (भाङअर) शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- कुड़माली व्याकरण (भाङअर) शिक्षण की विधि – पाठयपुस्तक प्रणाली, सहयोग विधि, सूत्र।

इकाई 3 : कुड़माली भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास (स्वराघात, बलाघात), चित्र वर्णन अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन (माछानि), चलचित्र, टेरपेकॉर्डर, कम्प्यूटर पत्र–पत्रिका, नृत्व एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि

- कुड़माली कहावत (आहाना), मुहावरा (पटतइ), प्रत्यय (पाइन), विलोम शब्द (उलथा साड़) भिन्नार्थक शब्द (गड़हन अना अना निआर माने भिनु) एवं समानार्थक शब्द।

इकाई 5 : कुड़माली भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सुत्र विधि, अभिनय विधि।

इकाई 6 : कुड़माली साहित्य

- कुड़माली साहित्य एवं उनका विकास।
- प्रमुख कुड़माली साहित्य का परिचय।
- कला–संस्कृति के विकास में कुड़माली साहित्य का योगदान।
- कुड़माली भाषा की समस्या एवं समाधान।
- कुड़माली साहित्य के विकास के लिए प्रयास।

क्रियाकलाप

- कुड़माली भाषाण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- कुड़माली विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- कुड़माली सुनो और बोलो का अभ्यास।
- कुड़माली पाठ्यपुस्तकों से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन करना।
- कुड़माली अंत्याक्षरी एवं अभिनय में भाग लेना।
- कुड़माली शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक–एक ऑडियो कैसेट तैयार करना।
- कुड़माली गिनती (लेखन) का अभ्यास करना।

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (ञ)

खोरठा भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : खोरठा भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचनका परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण का विधि – पाठ्यपुस्तक प्रणाली, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- काल, समास, मुहावरा, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

इकाई 3 : भाषा शिक्षण के तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास (स्वराघात, बलाघात) चित्र वर्णन, प्रतिकृति अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चल टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र–पत्रिका, नृत्य एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।
- मातृभाषा का हिन्दी में अनुवाद, हिन्दी वाक्यों का मातृभाषा खोरठा में अनुवाद। अनुवाद का महत्त्व।

इकाई 4 : खोरठा साहित्य एवं विकास

- खोरठा साहित्य का परिचय एवं प्रकृति।
- खोरठा साहित्य की समस्याएँ एवं निदान।
- झारखण्ड की कला–संस्कृति के विकास में खोरठा का योगदान।
- खोरठा साहित्य के विकास के लिए दिये जा रहे प्रयास।

इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास
- पाठ्यपुस्तकों से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकपन करना।
- नृत्य, गीत–संगीत एवं अभिनव में भाग लेना।
- शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक–एक ऑडियो कैसेट तैयार करना।
- खोरठा के लोकगीतों का संकलन (ऋतु, पर्व–त्योहार, संस्कार, प्रकृति, श्रम एवं अन्य गीत)
- खोरठा के लोक कथाओं का संकलन (सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, अलौकिक एवं अन्य)

नोट : सभी प्रशिक्षाणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

सप्तम पत्र (ट)

पंचपरगनिया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षा विधि

इकाई 1 : पंचपरगनिया भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एंव श्रवण कौशल विकास की विधियाँ
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ।
- लेखन का परिचय एवं लेखन कौशल विकास की विधियाँ।

इकाई 2 : पंचपरगनिया भाषा शिक्षण के तकनीक एवं उत्पाद

- पंचपरगनिया भाषा शिक्षण तकनीक–वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, चित्र, वर्णन, अभ्यास।
- भाषा शिक्षण उपादान–पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, चलचित्र, कम्प्यूटर पत्र–पत्रिका, पुस्तक एवं नाटक।

इकाई 3 : पंरपरगनिया व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे, कहावतें, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द, संधि, समास, कारक।
- पंचपरगनिया भाषा विज्ञान – उच्चारण विज्ञान, शब्द विज्ञान, वाक्य विज्ञान।

इकाई 4 : पंरपरगनिया भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनौ और बोलो।
- सुत्र विधि, अभिनय विधि।

इकाई 5 : पंरपरगनिया साहित्य एवं विकास

- लोग साहित्य – गाथा, कथा, कहानी, गीत, लोक गीत, लाक बाद्ययंत्र।
- शिष्ट साहित्य – कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध।
- पंचपरगनिया साहित्य की समस्या एवं समाधान।
- झारखण्डी कला संस्कृति के विकास में पंचपरगनिया साहित्य का योगदान।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना।
- प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, महाविद्यालय, में सम्मेलन, विचार गोष्ठी एवं प्रतियोगिता का आयोजन करना।

नोट : कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

अष्टम पत्र

गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : गणित शिक्षण की विधियाँ

- ह्यूरिस्टिक विधि।
- खेल विधि।
- समस्या निराकरण विधि।
- स्वयं खोज विधि।

इकाई 2 : अंकगणित

- साधारणीकरण और कोष्ठक की क्रियाएँ।
- वर्ग एवं वर्गमूल।
- प्रतिशतता, लाभ–हानि, बट्टा।
- साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज।

इकाई 3 : बीजगणित

- क्रम विनयमय, साहचार्य तथा वितरण के नियम।
- बीजीय व्यंजक का वर्ग एवं धन ज्ञान करना।
- बीजीय व्यंजकों का गुणनखण्ड।
- करनी, घात तथा घातांक।

इकाई 4 : रेखागणित

- वृत्त, केन्द्र, त्रिज्या, परिधि, चाप, वृत्तखण्ड, अन्तः केन्द्र, परिकेन्द्र, वृत खण्ड के कोण का परिचय।

इकाई 5 : क्षेत्रमिति

- वृत्त की परिधि तथा क्षेत्रफल।
- घन तथा घनाभ के सम्पूर्ण पृष्ठ का क्षेत्रफल तथा आयात।
- शंकु, गोला तथा बेलन का पृष्ठ क्षेत्रफल तथा आयतन।

क्रियाकलाप :

- कागज मोड़कर त्रिभुज, वर्ग एवं आयत बनाना।
- कागज मोड़कर 30^0, 45^0, 60^0, 90^0, 120^0, एवं 150^0 का कोण बनाना।
- संख्या रेखा का मॉडल निर्माण करना एवं इसका उपयोग करना।
- घन, घनाभ, बेलन और गोले का निर्माण करना तथा इनका आयतन एवं क्षेत्रफल ज्ञात करना।
- किसी एक कक्ष के छात्र/छात्राओं की आयु, उँचाई तथा भार संबंधी आँकड़ों का संकलन करना एवं उनका आलेख बनाना।
- पाठ योजना निर्माण करना।

नोट : कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

नवम पत्र : पर्यावरण अध्ययन – 1

सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : भारत की प्राकृतिक बनावट

- भारत की वनस्पति, वन्य जीव एवं खनिज।
- झारखण्ड राज्य के परिपेक्ष्य में स्थिति, प्राकृतिक संरचना, जनसंख्या, कृषि, वनस्पति, खनिज, उद्योगधंधे, यातायात के साधन।
- जनसंख्या वितरण, भूभाग एवं उसका विस्तार।
- सिंचाई एवं विद्युत।
- यातायात के साधन, आयात–निर्यात।
- आर्थिक संरचना एवं आर्थिक समस्याएँ।

इकाई 2 : भारत के प्रमुख स्वतंत्रता आन्दोलन

- भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, झारखंड के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी।
- स्वतंत्र भारत की प्रमुख घटनाएँ।
- 19वीं शताब्दी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण।
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, विकास और उपलब्धियाँ।

इकाई 3 : अधिकार कर्त्तव्य एवं राष्ट्रीय प्रतीक

- नागरिक के अधिकार एवं कर्त्तव्य।
- राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह।

इकाई 4 : राष्ट्रीय समस्याएँ

- सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, औद्योगिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ।

क्रियाकलाप :

- प्राकृतिक महत्त्व के दो स्थलों का भ्रमण कर उनका रिपोर्ट तैयार करना।
- स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय वनस्पति, कृषि, उपज एवं खनिज की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय जिला परिषद / न्यायपालिका की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- पाठ योजना एवं शिक्षण उपादान तैयार करना।

नोट : कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

दशम पत्र : पर्यावरण अध्ययन–2

सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

इकाई 1 : विज्ञान शिक्षण विधि

- अन्वेषण विधि।
- परियोजना विधि।
- इकाई विधि।
- खोज विधि।
- शिक्षण उपादान जैसे – दृश्य–श्रव्य उपकरण, प्रोजेक्ट, सी.डी. (C.D) का परिचय।
- परिवेशीय सामग्री के उपयोग की जानकारी।
- पाठ योजना तैयारी।

इकाई 2 : भौतिकी

- चुम्बक – प्रकार, उत्पादन एवं गुण।
- विद्युत – परिचय, स्थित एवं धारावाहिक विद्युत, सेल।
- ध्वनि – परिचय, उत्पति एवं गमन, प्रतिध्वनि।
- ऊर्जा के श्रोत एवं विकास।

इकाई 3 : रसायन विज्ञान

- हवा एवं उसके अवयव का परिचय।
- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, रासायनिक अभिक्रिया।
- कार्बन की अपरूपता, कार्बन के अपरूप के गुण एवं उपयोग।
- धातु एवं अधातु, मिश्रधातु।

इकाई 4: जीव विज्ञान

- पोषण, प्रकाश संश्लेषण, श्वसन एवं जनन।
- वनस्पति में वृद्धि एवं परिवर्धन, गति।
- हमारा पर्यावरण – जैव एवं अजैव पर्यावरण, पर्यावरण में अन्योन्यक्रिया, परितंत्र एवं उसका असंतुलन।
- संतुलित आहार, कुपोषण एवं कुपोषण जनित रोग।

क्रियाकलाप :

- स्थायी एवं अस्थायी स्लाइड तैयार करना।
- स्थानीय उर्जा श्रोतों की जानकारी प्राप्त कर उनका अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय वायु–प्रदूषण स्तर का पता लगाना।
- स्थानीय चार प्रकार की मिट्टी की अम्लीयता अथवा क्षारीयता की जाँच करना।
- स्थानीय जल–प्रदूषण का पता लगाना।
- विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ योजना एवं शिक्षण उपादान तैयार करना।

नोट : कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

द्वादश पत्र

कम्प्यूटर (Computer)

1. Computer में डाटा दर्ज करने का ज्ञान।
2. Computer Typing एवं Printing की जानकारी।
3. MS- Word का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।
4. MS- Excel का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।
5. Power Point का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।

सत्रगत् कार्य :

1. Speed एवं Accurate Typing की दक्षता दर्शाना
2. MS-Word का दो Output प्रदर्शित करना।
3. MS- Excel का दो Output प्रदर्शित करना।
4. Power Point में Output प्रदर्शित करना।

त्रयोदश पत्र

कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा

कार्यानुभव

निम्नलिखित पाँच कार्यानुभवों में से किन्हीं दो कार्यानुभवों को कहना अनिवार्य है :

1. बागवानी (Gardening)

(i) विभिन्न मौसम में लगाये जाने फूलों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें लगाना।

(ii) फूलों का बिचड़ा तैयार करना, उनका संबर्धन तथा संरक्षण करना।

(iii) पुष्प वाटिका में विभिन्न प्रकार के पौधों को लगाना, उनकी देख–रेख करना तथा सुरक्षित रखना।

(iv) क्यारी में फूल लगाना तथा प्रति प्रशिक्षणार्थी कम–से–कम एक गमला में फूल के पौधे/क्रोटन लगाना।

2. कृषि (Agriculture)

(i) जमीन की तैयारी करना, जुताई करना, बिचड़ा तैयार करने के लिए क्यारी बनाना, बीज डालना तथा सिंचाई करना।

(ii) बिचड़ा उखाड़ना, पौधे स्थानान्तरण एवं रोपाई करना।

(iii) खाद एंव उर्वरक के प्रयोग की जानकारी एवं उनका प्रयोग करना, कीटनाशक दवाई का प्रयोग करना।

(iv) फसलों की देखरेख फसल की कटाई, तैयारी एवं भण्डारण करना, लागत एवं उत्पादन का अभिलेख तैयार करना।

3. गृह विज्ञान (Home Science)

(i) सामूहिक रसाई, पके भोजन का संरक्षण, भोजन, पीने के पानी की व्यवस्था, फल काटने एवं बर्तन सफाई में भाग लेना।

(ii) अचार, चटनी, पापड़, जाम, जेली, सॉस, स्क्वॉश (शरबत) चीप्स इनमें से किन्हीं तीन को तैयार करना।

(iii) चटाई, टोकरी, आसानी एवं पंखा में से किन्हीं दो को तैयार करना। अथवा ऊन से एक बाबा सूट तैयार करना।